NEWS CLIPPING:26.07.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University Signs MoU with NCB to Promote Research Activities

Manish Kumar
info@impressivetimes.com

FARIDABAD :In a significant stride towards advancing research in the field of science and engineering, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, and the esteemed National Council for Cement and Building Materials (NCB), Ballabhgarh, have joined hands through a Memorandum of Understanding (MoU). The MoU sets the stage for conducting collaborative research and development activities in Civil Engineering and allied disciplines. The momentous signing of the MoU took place in the presence of Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar. The MoU was signed by Dr. Sunil Kumar Garg, Registrar of the University, and Dr. L.P. Singh, Director General of NCB. Director (R&D) Prof. Naresh Chauhan, Dean FET Prof. Rajkumar, Dean (Academics) Prof. Ashutosh Dixit, Chairperson (Incharge) of Civil Engineering Dr. Rajni Saggu, and representatives from NCB, Mr. Kapil Kukreja and Mr. Ankur Mittal, along with faculty members from the Civil Engineering Department were also present on this occasion. This collaborative venture aims to open new avenues for the university students, facilitating internships and training opportunities in the fields of Engineering and Sciences. Additionally, it paves the way for the exchange of valuable laboratory resources, joint seminars, workshops, and conferences on both national and international platforms, thereby promoting knowledge-sharing and networking among academia and industry experts. Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar expressed his delight over this partnership, emphasizing the need to align it with research-oriented goals. He spoke passionately about the immense potential for growth in the field of civil engineering and its role in tackling global challenges. Prof. Tomar firmly believes that the alliance with NCB will propel JC Bose University towards significant advancements in civil engineering research and allied domains. Furthermore, Prof. Tomar highlighted the potential of securing research grants from esteemed funding agencies through collaborative research projects.

NEWS CLIPPING:26.07.2023

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय और एनसीबी के बीच समझौता

शोध के उन्नत क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे जेसी बोस विवि और एनसीबी

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद और राष्ट्रीय सीमेंट और भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी), बल्लभगढ़ के बीच समझौता किया गया है। यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास गतिविधियों के संचालन को सुविधाजनक बनायेगा।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर निदेशक (आरएंडडी) प्रो. नरेश चौहान, डीन एफईटी प्रो. राजकुमार, डीन (अकादमिक) प्रो. आशुतोष दीक्षित, सिविल इंजीनियरिंग

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एलपी सिंह। आज समाज

की विभागाध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. रजनी सग्गू और एनसीबी के प्रतिनिधि श्री कपिल कुकरेजा और श्री अंकुर मित्तल, तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है। इसके अलावा, यह दोनों संस्थानों के बीच प्रयोगशाला संसाधनों, संयुक्त सेमिनारों, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, जिससे शिक्षा और उद्योग विशेषज्ञों के बीच परस्पर ज्ञान साझाकरण और नेटवर्किंग को बढ़ावा मिलता है। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा समझौते को अनुसंधान-उन्मुख लक्ष्यों के साथ सम्बद्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया। सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं पर बोलते हुए प्रो. तोमर कहा कि एनसीबी के साथ सहभागिता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रेरित करेगी। प्रो. तोमर ने सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित फंडिंग एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान हासिल करने की क्षमता पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक अनुसंधान तथा नवाचारों को आगे बढ़ाने में वित्त पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए, दोनों संस्थाएं मिलकर अवसरों का लाभ उठाने की दिशा में काम कर सकती है। एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एलपी सिंह ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सहयोग की पेशकश करते हुए कहा कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में काम करने का अवसर मिलेगा। व्यावहारिक अनुभवों से छात्रों को अपने भविष्य के करियर के लिए कौशल हासिल करने में मदद मिलेगी। प्रो. सुशील कुमार तोमर और डॉ. एल.पी. सिंह ने दोनों पड़ोसी संस्थानों के बीच भौगोलिक लाभ को स्वीकार किया, जो दोनों संस्थानों के लिए संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

उन्होंने औद्योगिक प्रासंगिकता के साथ संयुक्त अनुसंधान एवं विकास और नवाचार परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, जिन्हें फंडिंग एजेंसियों द्वारा साझेदारी में वित्त पोषित किया जा सकता है। डॉ. एलपी सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी में उपलब्ध अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह छात्रों को उन्नत अनुसंधान करने और सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान करने के लिए सशक्त बनाएगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:26.07.2023

HINDUSTAN

समझौता | विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) बल्लभगढ़ के बीच हुआ समझौता, छात्रों को मिलेगी सुविधा

सिविल इंजीनियरिंग में बढ़ावा देगा जेसीबोस विश्वविद्यालय

अच्छी खबर

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। सिविल इंजीनियरिंग एवं विज्ञान के क्षेत्र में जेसी बोस विश्वविद्यालय अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) बल्लभगढ़ के बीच समझौता किया गया है।

यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास गतिविधियों के संचालन को सुविधाजनक बनाएगा। समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एलपी. सिंह ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है।

जेसी बोस विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सीमेंट और भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) के बीच मंगलवार को अनुसंधान को लेकर समझौता हुआ। • हिन्दुस्तान

छात्रों को अनुसंधान के मौके मिलेंगे

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग छात्रों को अनुसंधान के लिए अधिक मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा कि एनसीबी के साथ सहभागिता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रेरित करेगी। एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सहयोग की पेशकश करते हुए कहा कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में काम करने का अवसर मिलेगा। छात्रों को करियर के लिए कौशल हासिल करने में मदद मिलेगी।

दोनो संस्थान मिलकर करेंगे काम

प्रो. सुशील कुमार तोमर और डॉ. एल.पी. सिंह ने दोनों पड़ोसी संस्थानों के बीच भौगोलिक लाभ को स्वीकार किया, जो दोनों संस्थानों के लिए संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। उन्होंने औद्योगिक प्रासंगिकता के साथ संयुक्त अनुसंधान एवं विकास और नवाचार परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, जिन्हें फंडिंग एजेंसियों द्वारा साझेदारी में वित्त पोषित किया जा सकता है। डॉ. एलपी सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी में उपलब्ध अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

NEWS CLIPPING:26.07.2023

PIONEER

शोध के उन्नत क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे जेसी बोस विश्वविद्यालय और एनसीबी

सिविल इंजीनियरिंग एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान, विशेषज्ञता और संसाधनों का करेंगे आदान-प्रदान

प्रायरियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फाईएमसीए, फरीदाबाद और राष्ट्रीय सीमेंट और भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) बल्लभगढ़ के बीच समझौता किया गया है। यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास गतिविधियों के संचालन को सुविधाजनक बनायेगा। समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील कुमार तोमर और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एलपी सिंह ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर निदेशक (आरएंडडी) प्रो. करेन चौहान, डीन एफईटी प्रो. राजकुमार, डीन (अकादमिक) प्रो. आशुतोष दीक्षित, सिविल इंजीनियरिंग को विभागाध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. रजनी सागू और एनसीबी के प्रतिनिधि कपिल कुकरेजा और अंकुर मित्तल तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है। इसके अलावा, यह दोनों संस्थानों के बीच प्रयोगशाला संसाधनों, संयुक्त सेमिनारों, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, जिससे शिक्षा और उद्योग विशेषज्ञों के बीच परस्पर ज्ञान साझाकरण और नेटवर्किंग को बढ़ावा मिलता है। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा समझौते को अनुसंधान-उन्मुख लक्ष्यों के साथ संबद्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया। सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकास को अपार संभावनाओं पर बोलते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि एनसीबी के साथ सहभागिता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रेरित करेगी। प्रो. तोमर ने सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित फंडिंग एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान हासिल करने की क्षमता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक अनुसंधान तथा नवाचारों को आगे बढ़ाने में वित्त पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए, दोनों संस्थाएं मिलकर अवसरों का लाभ उठाने की दिशा में काम कर सकती है।

एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एलपी सिंह ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सहयोग की पेशकश करते हुए कहा कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में काम करने का अवसर मिलेगा। व्यावहारिक अनुभवों से छात्रों को अपने भविष्य के करियर के लिए कौशल हासिल करने में मदद मिलेगी।

प्रो. सुशील कुमार तोमर और डॉ. एलपी सिंह ने दोनों पड़ोसी संस्थानों के बीच भौगोलिक लाभ को स्वीकार किया, जो दोनों संस्थानों के लिए संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। उन्होंने औद्योगिक प्रासंगिकता के साथ संयुक्त अनुसंधान एवं विकास और नवाचार परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, जिन्हें फंडिंग एजेंसियों द्वारा साझेदारी में वित्त पोषित किया जा सकता है।

डॉ. एलपी सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी में उपलब्ध अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह छात्रों को उन्नत अनुसंधान करने और सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान करने के लिए सशक्त बनाएगा।

NEWS CLIPPING:26.07.2023

PUNJAB KESARI

शोध के उन्नत क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और एनसीबी

फरीदाबाद, 25 जुलाई (सहायक): विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद और राष्ट्रीय सीमेंट और भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी), बल्लभगढ़ के बीच समझौता किया गया है। यह समझौता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास गतिविधियों के संचालन को सुविधाजनक बनायेगा।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर निदेशक (आरएंडडी) प्रो. नीरज चौहान, डीन एफईटी प्रो. रागकुमार, डीन (अकादमिक) प्रो. आशुतोष दीक्षित, सिविल इंजीनियरिंग की विभागाध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. रजनी सग्गू और एनसीबी के प्रतिनिधि कपिल कुकरेजा और अंकुर मित्तल, तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है। इसके अलावा, यह दोनों संस्थानों के बीच प्रयोगशाला संसाधनों, संयुक्त सेमिनारों, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, जिससे शिक्षा और उद्योग विशेषज्ञों के बीच परस्पर ज्ञान साझाकरण और नेटवर्किंग को बढ़ावा मिलता है।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा समझौते को अनुसंधान-उन्मुख लक्ष्यों के साथ सम्बद्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं पर बोलते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि एनसीबी के साथ सहभागिता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रेरित करेगी। प्रो. तोमर ने सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित फंडिंग एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान हासिल करने की क्षमता पर प्रकाश डाला।

अत्याधुनिक अनुसंधान तथा गवाचारों को आगे बढ़ाने में वित्त पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए, दोनों संस्थाएं मिलकर अवसरों का लाभ उठाने की दिशा में काम कर सकती हैं। एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सहयोग की पेशकश करते हुए कहा कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में काम करने का अवसर मिलेगा। पी. सुशील कुमार तोमर और डॉ. एल.पी. सिंह ने दोनों पड़ोसी संस्थानों के बीच भौगोलिक लाभ को स्वीकार किया, जो दोनों संस्थानों के लिए संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

NEWS CLIPPING:26.07.2023

NAVBHARAT TIMES

यूनिवर्सिटी ने किया MOU

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय सीमेंट व भवन निर्माण सामग्री परिषद (NCB) बल्लभगढ़ के बीच MOU साइन किया। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग व NCB के महानिदेशक डॉ. एलपी सिंह ने एमओयू पर साइन किए। समझौते का उद्देश्य यूनिवर्सिटी छात्रों के लिए इंजीनियरिंग व विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप के साथ प्रशिक्षण के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है। इसके अलावा, यह दोनों संस्थानों के बीच प्रयोगशाला संसाधनों, संयुक्त सेमिनार, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा।